पाठ 9

त्यागमूर्ति ठाकुर प्यारेलाल सिंह

—लेखक मंडल

हमर समाज—देश ल जब कोनो बदलाव के आवश्यकता होथे त कोनो महापुरुष के जनम होथे। अइसने ही हमर छत्तीसगढ़ के मजदूर अऊ किसान के दुख पीरा ल हरे बर अपन जिनगी ल खुवार करैया, पं. सुंदर लाल शर्मा, वीर नारायण सिंह, डॉ. खूबचंद बघेल, पं. रविशंकर शुक्ल जइसन महापुरुष मन होईन। त्यागमूर्ति ठाकुर प्यारेलाल सिंह रहिन जेन इहाँ के किसान अउ मजदूर के खुशी के कारण अपन जिन्दगी ल दाँव पर लगा दिन।

कई जुग ले ओ मन ल सुरता करे जाथे जेन ह समाज अउ देश खातिर अपन सब कुछ निछावर कर देथें। ओ मन अपन जिनगी के पल—छिन ल समाज के निरमान म लगा देथें। ओ मन समाज ले कुछु नइ लेवँय, सिरिफ दे बर जानथें। अइसन त्यागी पुरुष दुरलभ होथें। ठाकुर प्यारेलाल सिंह वइसने दुरलभ पुरुष म एक झन रिहिन।

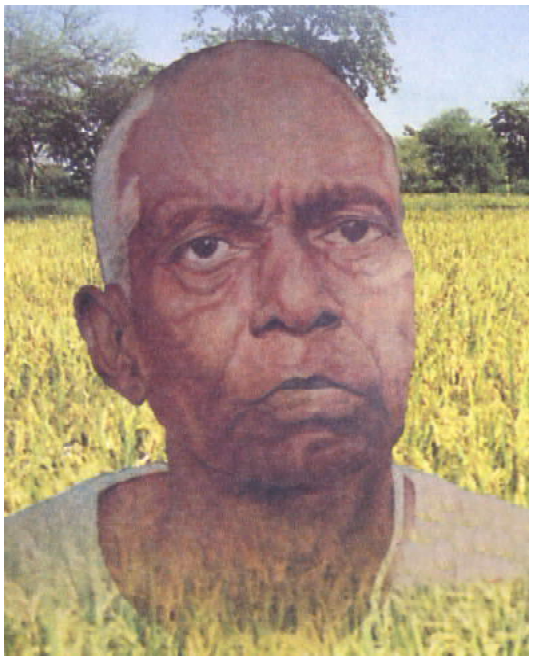

छत्तीसगढ़ के संगे—संग जम्मो देश के कल्यान खातिर ओ मन जेन बलिदान करिन ओकरे सेती ओ मन ल जिते—जियत म त्यागमूर्ति कहे जाय लागिस।

छत्तीसगढ राज के निरमान खातिर जुझइया पहिली नेता मन म ठाकुर प्यारेलाल सिंह के नाँव बड़ सम्मान के साथ लिये जाथे। ठाकुर साहेब ल छत्तीसगढ़ के युग पुरुष म घलो गिने जाथे। ओ मन किसान,मजदूर,बनिहार मन ल सकेल के उकर अधिकार के रक्षा बर अँगरेजी सरकार के संग लड़ाई लड़िन अउ कई बेर जेल गइन।

ठाकुर प्यारेलाल सिंह के जनम 21 दिसंबर 1891 म राजनाँदगाँव के दइहान गाँव के ठाकुर दीनदयाल सिंह के घर म होय रिहिस। ईंकर माता जी के नाँव श्रीमती नरमदा देवी रिहिस।

ठाकुर साहेब जब 16 साल के रिहिन त उँकर बिहाव रायपुर के ठाकुर भगवान सिंह के बेटी गोमती देवी के संग कर दे गिस। रायपुर के सरकारी हाईस्कूल (अब शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक शाला) ले मैट्रिक के परीक्षा पास करिन तेकर पाछू नागपुर के हिस्लाप कालेज ले इंटरमीडियट करिन। इही बीच म पिता जी के अचानक देहावसन हो जाय के कारण उँकर पढ़ई म बाधा आ गे। इही कारण ओ मन घर लहुटगें फेर आगू पढ़े के उँकर इच्छा बने रिहिस।

ठाकुर प्यारेलाल सिंह खूबेच गुनवान रिहिन,ओमन बी.ए. के परीक्षा पास करके इलाहाबाद विश्वविद्यालय ले 1916 में वकालत के परीक्षा घलो पास करिन । पढ़ई के संगे–संग खेलकूद म उँकर मन निसदिन लगे रहय। जेन खिलाड़ी भावना उँकर खेल–जीवन म पनपिस ओ ह सार्वजनिक जीवन म घलो बने रहिस। जइसे खेल के मैदान म जी–जान ले लगे रहँय,वोइसनेच राजनीति म घलो जम के डटे रहँय अउ आजादी के पाछू जनता के हित के रक्षा बर दिन रात लगे रहँय।

अँगरेजी शासन काल म देश के स्वदेशी आंदोलन के लहर चले रहिस। ठाकुर साहेब राजनाँदगाँव म स्वदेशी आंदोलन म शामिल हो गइन। अउ राजनाँदगाँव के संगे–संग तीर–तखार के गाँव म घलो राष्ट्रीय चेतना के बिस्तार के काम शुरू कर दिन।

'वंदे मातरम्' राष्ट्रीय एकता अउ चेतना के गीत बनगे रिहिस। ठाकुर साहेब पढ़इया लइकामन के टोली बना के 'वंदे मातरम्' के नारा लगावँय।

कानून के पढ़ाई पूरा करे के पाछू 1916 म ओ मन वकालत शुरू कर दिन। वकालत ल ओ मन समाज सेवा के रद्दा बनाइन। गरीब अउ कमजोर मनखे मन ल नियाव देवाय बर खूबेच काम

करँय। राजनाँदगाँव के बी.एन.सी.मिल के मजदूर मन ल हक देवाय बर ठाकुर प्यारेलाल ह 1920 म सबो मजदूर ल एकजुट करके हड़ताल करा दिन। मिल मजदूर मन के माँग पूरा होय के पाछू आंदोलन खतम होइस। ये ह देश म सही ढंग ले चलाय गे संगठित मजदूर मन के पहिली सब ले लंबा हड़ताल रहिस, जेन ह 36 दिन ले चलिस।

1920 म कांग्रेस ह अँगरेजी शासन के विरोध म असहयोग आंदोलन शुरू कर दिस। ये म ठाकुर प्यारेलाल सिंह घलो कूद गें। गांधी जी के कहना म ओ मन 4 साल ले सरलग वकालत नइ करिन। ये समय म ठाकुर साहेब ह राजनाँदगाँव के तीर–तकार म जन–जागरन के खूब काम करिन, अउ राजनाँदगाँव म राष्ट्रीय विद्यालय खोलिन।खादी के महत्तम के प्रचार करे बर ठाकुर साहेब खुद चरखा चलावँय अउ दूसर मन ल घलो सिखावँय।

रायपुर ह आजादी के लड़ई के बड़े जन जघा बनगे रिहिस। इहाँ ठाकुर साहेब के पं.माधवराव सप्रे,पं.रामदयाल तिवारी अउ बाबू मावली प्रसाद श्रीवास्तव जइसे कई झन देशभक्त साहित्यकार मन ले मेल–मिलाप होइस।

गांधी जी के अगुवइ म जब 1930 म अँगरेज मन के विरोध म सत्याग्रह शुरू होइस त ठाकुर साहेब तन–मन–धन ले ओ म जुड़गें। छत्तीसगढ़ म ये मन आंदोलन के प्रमुख नेता रहिन। धमतरी के बनवासी मन ल उँकर हक देवाय खातिर अउ अंगरेजी सरकार ल लगान नइ दे के मुहिम घलो शुरू करिन,ये ह अँगरेजी सरकार ल सीधा ललकारना रिहिस। एकर सेती ठाकुर साहेब ल एक साल के सजा होइस।

26 जनवरी,1932 के दिन रायपुर के गांधी चौक म ठाकुर प्यारेलाल सिंह ह बहुत कड़क भाषा म भाषण दिन, तेकर सेती ओ मन ल पकड़ ले गिस अउ दू साल के सजा सुनाय गिस। उँकर सरी

सम्पत्ति ल सरकार ह कुर्की कर लिस। ओ मन ल अउ जादा सजा दे खातिर उँकर वकालत के सनद घलो जपत कर ले गिस।

सन् 1933 ले 1937 तक ठाकुर प्यारेलाल सिंह महाकोशल प्रांत कांग्रेस कमेटी के सचिव रहिन। इही समय म ओ मन कई ठन योजना बनाइन। अछूत मन के उद्धार बर काम करिन। हिन्दू–मुसलमान भाईचारा खातिर घलो काम करिन। रायपुर म ओ मन मोमिन बुनकर मन ल एकजुट करके उनला बने मजदूरी देवाय के काम करिन। गीता अउ कुरान दूनों के ठाकुर साहेब विद्वान रहिन। अपन ये गियान के उपयोग ओ मन समाज म तालमेल बढ़ाय बर करते रहँय।

प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री रहत समय ठाकुर साहेब पहिली बेर 1936 म मध्यप्रदेश विधानसभा के सदस्य चुने गिन। छत्तीसगढ़ अउ संयुक्त मध्यप्रदेश के सब ले जादा जन नेता मन म ईंकर नाँव गिने जाय। ओ मन तीन बेर रायपुर नगरपालिका के अध्यक्ष अउ दू बेर विधायक चुने गिन।

ओ समय के सी.पी.बरार म जब कांग्रेस के अंतरिम सरकार बनिस त डॉ.खरे के मंत्रीमंडल म ठाकुर साहेब शिक्षा मंत्री बनिन। छत्तीसगढ़ एजुकेशन सोसायटी के स्थापना ईंकर अगुवई म करे गिस जेन ह छत्तीसगढ़ कालेज शुरू करिस। ओ ह छत्तीसगढ़ के पहिली महाविद्यालय रहिस। आज ये ह प्रदेश के प्रमुख महाविद्यालय हवय।

छत्तीसगढ़ म सहकारिता आंदोलन के विकास करे म ठाकुर प्यारेलाल सिंह ह भारी सहयोग देइन। 6 जुलाई 1945 म ओ मन छत्तीसगढ़ बुनकर सहकारी संघ के नींव रखिन। गरीब,मजदूर,किसान अउ आदिवासी मन के ओ मन मुक्तिदूत बनगे रहिन। ठाकुर साहेब के त्यागी,तपस्वी अउ जननेता के एक ठन गजब रूप रहिस। भूमिहीन,खेतिहर मजदूर ल भूस्वामी बनाय के परन के संग आचार्य विनोबा भावे के भू–दान क्रांति के ठाकुर साहेब सिपाही बनगें। ओ मन जेन गाँव म जावँय ऊहाँ मालगुजार अउ बड़े किसान मन अपन जमीन के हिस्सा दान कर देवँय। इही भू–दान के 2200 मील के लंबा यात्रा म जबलपुर के तीर म ठाकुर प्यारेलाल सिंह शहीद होगें।

ठाकुर साहेब अजादी बर जीवन भर लड़ाई लड़िन अउ अजादी मिले के पाछू राजकाज सम्हाले ल छोड़ के समाज के निरमान म लग गें।

उँकर जीवन अउ उँकर कामकाज कई पीढ़ी ल रद्दा देखावत रइहीं।

छत्तीसगढ़ी शब्द मन के हिन्दी अर्थ

सुरता	=	याद	सकेल के	=	इकट्ठा करके
लहुट गें	=	वापस आ गए	तीर–तकार	=	आस–पास
नियाँव	=	न्याय	सरलग	=	लगातार
कड़क	=	कड़ी,कठोर	अगुवाई	=	नेतृत्व
मालगुजार	=	बड़ा किसान,गौंटिया	तीर	=	पास
उँकर	=	उनका	रइहीं	=	रहेंगे
सनद	=	प्रमाण पत्र			

अभ्यास

पाठ से

1. ठाकुर प्यारे लाल सिंह ह वकालत ल समाज सेवा के रद्दा कइसे बनाइस ?
2. छत्तीसगढ़ राज के निरमान खातिर जुझइया नेता ठाकुर प्यारे लाल ल काबर कहे गेहे ?
3. ठाकुर प्यारेलाल ह पढ़ाई में बाधा आय के बाद भी आगु के पढाई कइसे करिस ?
4. ठाकुर प्यारेलाल स्वदेशी भावना ल कहाँ–कहाँ तक बढ़ाइस अउ ओकर जनता में का–का परभाव परिस?
5. भू–दान आंदोलन के का मतलब होथे, अउ प्यारेलाल के भू–दान आन्दोलन म का योगदान रहिस ? लिखव।
6. शिक्षा के क्षेत्र म ठाकुर साहेब के का योगदान रहिस?

पाठ से आगे

1. खिलाड़ी भावना के का अर्थ होथे अउ वोकर अपन जीवन में कइसे प्रयोग करे जा सकथे? कक्षा में समूह में चर्चा कर के लिखव।
2. ठाकुर प्यारेलाल जइसन छत्तीसगढ़ के कोन–कोन नेता रहिन वोकर आजादी में का–का योगदान रहिस शिक्षक अउ साथी से जानकारी प्राप्त करव।

5VD992

3. ठाकुर साहेब जन सेवा के अब्बड़ काम करिन। जन सेवा के का मतलब होथे। तु मन ल जन सेवा के मौका मिलही त का–का करहु। सँगवारी मन सन बात कर लिखव।
4. छत्तीसगढ़ म असहयोग आन्दोलन म भाग लेवइया अउ आंदोलनकारी मन के नाम ल खोज के लिखव।

भाषा से

1. पाठ म 'जुझइया' शब्द पर धियान देवव, ये 'शब्द' जूझना क्रिया म इया प्रत्यय के जोड़ ले बनिस 'जुझइया'।

   तु मन पाँच क्रिया शब्द म 'इया' प्रत्यय लगाके नवां शब्द बनवाव अउ अपन वाक्य में प्रयोग करव।

2. पाठ म तीर–तखार सब्द आय हावे। तीर सब्द ह सार्थक सद आय। एकर अर्थ हे 'नजदीक' या पास फेर तखार सब्द के कोनों अर्थ नइ निकले। दुनो सब्द के संघरा प्रयोग करे ले सब्द–युग्म बन जाथे। अउ एकर अर्थ निकलथे आस–पास। अइसने ढंग के युग्म सब्द हे चाय–वाय।'

   सब्द–युग्म के पाँच सब्द सोच के लिखव अउ ओला अपन वाक्य म प्रयोग करव।

3. खाल्हे लिखाय सब्द मन के उल्टा अर्थ वाला सब्द लिखव–

   सुरता, कड़क, निरमान, दुरलभ, स्वदेशी, नियाव, पहिली, तीर–तखार।

योग्यता विस्तार

1. छत्तीसगढ़ के अउ स्वतंत्रता सेनानी मन (पं. माधव राव सप्रे, पं. राम दयाल तिवारी) के जीवनी खोज के पढ़व।
2. स्वतंत्रता सेनानी मन के जीवन ले हमन ला का प्रेरणा मिलथे ? संगवारी मन सन बात कर लिखव।

●●●